नाम : प्रकाश कुमार

पता : हेसालोंग, खलारी, राँची

वव्साय : ड्राईवर

प्रशन - क्या घर में महिलाओ की भागीदारी होनी होती है ? जैसे कुछ काम करने से पहले उनसे पूछा जाता है करना ठीक होगा या नहीं ?

उतर - नहीं घर में हम लोग महिला से जेयदा कुछ इन सब के बारे में पूछते नहीं है कई बार तो घर में चर्चा भी नहीं करते है काम हो जाने के बाद घर वालो को मालूम होता है की की कुछ नया हुआ है | घर की महिलाओ से अगर कुछ पूछा जाता है तो अक्सर वो लोग हमारे विपरीत सोचते है | इस कारण हमे नहीं लगता की उनसे कुछ पूछने का फायेदा होता है |

प्रशन - बच्चो की इच्छा और ज़रुरतो को पूरा करना चाइए ?

उतर - नहीं बच्चो का क्या है वो हमेसा खेलना ही चाहते है पढाई का मन नहीं करता है उनका | मेरे समझ से उनकी बात मानने लगे तब वो सारा दिन ऐसे ही बिता दे घुमने फिरने में या खेलने में |

बदलाव

आज की चर्चा के बाद मुझे लगता है की घर में महिलाओ और बच्चो की भागीदारी होनी चाइए | क्योंकी उनकी सीमा सिमित होती है बच्चे से भी छोटी छोटी बाते साझा करनी चाइए ताकि उनका मनोबल बड़े और पिता के साथ उनका रिश्ता अच्छा हो न की सिर्फ बच्चे और पिता बने रहे बल्कि एक अच्छा दोस्त भी बन सके ताकि वो अपनी बातो को पिता के सामने बिना डरे रख सके |